an>

title: The Speaker made reference to the 14th Anniversary of terrorist attack on Parliament House on 13th December, 2001.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अत्यंत वेदना के साथ हम उस दुःखद घटना का स्मरण करते हैं जब 13 दिसम्बर, 2001 को हमारी लोकतांत्रिक राज्य व्यवस्था के गौरव, भारत की संसद को एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का निशाना बनाया गया था।

इस कायरतापूर्ण हमले को संसद परिसर की रक्षा में ड्यूटी पर तैनात हमारे सतर्क एवं बहादुर सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया था। दिल्ली पुलिस के पांच सुरक्षाकर्मी सर्वश्री नानक चंद, रामपाल, ओमप्रकाश, बिजेन्द्र सिंह और घनश्याम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला कांस्टेबल श्रीमती कमलेश कुमारी और संसद सुरक्षा सेवा के दो सुरक्षा सहायक श्री जगदीश प्रसाद यादव और श्री मातबर सिंह नेगी इस हमले का बहादुरी से सामना करते हुए शहीद हो गए थे। इस आतंकवादी हमले में एक कार्मिक श्री देशराज भी शहीद हो गए थे।

यह सभा उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है जिन्होंने 13 दिसम्बर, 2001 को आतंकवादी हमले के दौरान संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। सभा उनके परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता भी प्रदर्शित करती है।

इस अवसर पर, आइए हम आतंकवाद के इस वीभत्स कुचक्र से निपटने के लिए नए सिरे से प्रयास करने के अपने संकल्प को दोहराएं और हमारी मातृभूमि की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए अपनी वचनबद्धता को पुनः दृढ़ता से व्यक्त करें।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर के लिए मौन खड़ी रहेगी।

11.03 hours

The Members then stood in silence for short while.

HON. SPEAKER: Hon. Members, I have received notices of Adjournment Motion from S/ Shri Bhartruhari Mahtab, Jai Prakash Narayan Yadav, Prof. Saugata Roy and P. Karunakaran on different issues.

The matters though important enough do not warrant interruption of business of the day. The matter can be raised through other opportunities.

I have, therefore, disallowed the notices of Adjournment Motion.

माननीय सुषमा जी का पत्र मुझे मिला है, सौगत राय जी आपके विषय पर सोमवार को वे अपना स्टेटमेंट सदन में देने वाली हैं।

प्रो. सौगत राय (दमदम) : अध्यक्ष महोदया, सदन को अभी तक इस बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): अध्यक्ष जी, मंत्री महोदया से आज बातचीत हुई है और वे सदन में स्टेटमेंट देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनका इस विषय में पत्र आया है और उन्होंने आग्रह किया है कि सोमवार को 11 बजे राज्य सभा में और दोपहर को 2 बजे लोक सभा में वक्तव्य देंगी। इस चर्चा में माननीय सांसद भाग भी ले सकते हैं।

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): I have given notice of Adjournment Motion on a different issue.

माननीय अध्यक्ष : आपने अपना विषय जीरो ऑवर में उठा लिया था। मैंने यह निर्णय दे दिया है कि आप अपना विषय किसी दूसरे मोड में उठा सकते हैं, उसके लिए एडजार्नमेंट मोशन की आवश्यकता नहीं है। आपने पोलावरम के विषय में एडजार्नमेंट मोशन के लिए कहा है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB : The whole State is agitating.

माननीय अध्यक्ष : मैं जानती हूं लेकिन मैंने आपको एक बार बोलने का मौका दिया था, दूसरी बार आप किसी दूसरे मद में इस विषय को उठा सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : लेकिन उस विषय को मैंने एक बार उठाने का समय दिया था।

श्री भर्तृहरि महताब: वह समय तो हंगामे में ही चला गया था। We were expecting an answer from the Government.

माननीय अध्यक्ष : मैं ऐसे भी कह सकती हूँ, लेकिन अभी मैंने डिसएलाऊ किया है।

श्री भर्तृहरि महताब : मेरा कॉलिंग अटेंशन नोटिस भी आपके पास पड़ा हुआ है । आज भी यह ज़ीरो आवर में लगा है।

माननीय अध्यक्ष : मैंने उसके लिए किसी को मना नहीं किया है। मैंने एडजर्नमेंट मोशन की बात कही, बाकी सबकी सारी बातें मैं क्वेश्चन आवर के बाद जरूर सुनूँगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री खड़गे जी रोज़-रोज ऐसा मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वही विषय रोज़-रोज मत उठाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : आज फिर पेपर में आया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं-नहीं, पेपर की बात रोज़ न करें।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Question Hour.

Q. No. 181 – Shri P. Nagarajan.

11.06 hours

(*At this stage, Shri K.C. Venugopal and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)